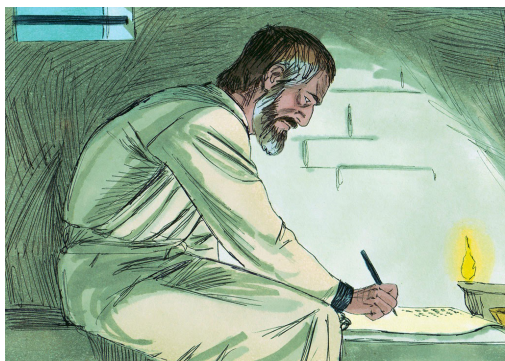


BREVEN I NT – sida 1

Nya testamentet består av brev som de första ledarna i kyrkan skrev till de första församlingarna. De undervisade om evangeliets principer och hur man ska efterleva dem. Det finns mycket lärdom att hämta i breven även i dag! Här kan du läsa igenom några av breven och vi har utgått ifrån den följd som man tror breven skrevs, så att du får läsa breven kronologiskt.

- | | | | |
|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| ☆ Jakob 1 | ☆ 1 Kor. 1:10-17 | ☆ 1 Kor. 14:20-25 | ☆ 2 Kor. 11:16-33 |
| ☆ Jakob 2 | ☆ 1 Kor. 1:18-31 | ☆ 1 Kor. 14:26-40 | ☆ 2 Kor. 12:1-10 |
| ☆ Jakob 3 | ☆ 1 Kor. 2:1-16 | ☆ 1 Kor. 15:1-11 | ☆ 2 Kor. 12:11-21 |
| ☆ Jakob 4 | ☆ 1 Kor. 3:1-9 | ☆ 1 Kor. 15:12-34 | ☆ 2 Kor. 13:1-13 |
| ☆ Jakob 5 | ☆ 1 Kor. 3:10-23 | ☆ 1 Kor. 15:35-49 | ☆ Rom. 1:1-17 |
| ☆ Gal. 1:1-10 | ☆ 1 Kor. 4:1-8 | ☆ 1 Kor. 15:50-58 | ☆ Rom. 1:18-32 |
| ☆ Gal. 1:11-24 | ☆ 1 Kor. 4:9-21 | ☆ 1 Kor. 16:1-9 | ☆ Rom. 2:1-16 |
| ☆ Gal. 2:1-10 | ☆ 1 Kor. 5:1-13 | ☆ 1 Kor. 16:10-24 | ☆ Rom. 2:17-29 |
| ☆ Gal. 2:11-21 | ☆ 1 Kor. 6:1-11 | ☆ 2 Kor. 1:1-11 | ☆ Rom. 3:1-8 |
| ☆ Gal. 3:1-14 | ☆ 1 Kor. 6:12-20 | ☆ 2 Kor. 1:12-24 | ☆ Rom. 3:9-20 |
| ☆ Gal. 3:15-29 | ☆ 1 Kor. 7:1-9 | ☆ 2 Kor. 2:1-11 | ☆ Rom. 3:21-31 |
| ☆ Gal. 4:1-20 | ☆ 1 Kor. 7:10-16 | ☆ 2 Kor. 2:12-17 | ☆ Rom. 4:1-12 |
| ☆ Gal. 4:21-31 | ☆ 1 Kor. 7:17-24 | ☆ 2 Kor. 3:1-6 | ☆ Rom. 4:13-25 |
| ☆ Gal. 5:1-15 | ☆ 1 Kor. 7:25-40 | ☆ 2 Kor. 3:7-18 | ☆ Rom. 5:1-11 |
| ☆ Gal. 5:16-26 | ☆ 1 Kor. 8:1-13 | ☆ 2 Kor. 4:1-6 | ☆ Rom. 5:12-21 |
| ☆ Gal. 6:1-10 | ☆ 1 Kor. 9:1-12 | ☆ 2 Kor. 4:7-18 | ☆ Rom. 6:1-14 |
| ☆ Gal. 6:11-18 | ☆ 1 Kor. 9:13-27 | ☆ 2 Kor. 5:1-10 | ☆ Rom. 6:15-23 |
| ☆ 1 Tess. 1:1-10 | ☆ 1 Kor. 10:1-13 | ☆ 2 Kor. 5:11-21 | ☆ Rom. 7:1-6 |
| ☆ 1 Tess. 2:1-8 | ☆ 1 Kor. 10:14-22 | ☆ 2 Kor. 6:1-13 | ☆ Rom. 7:7-13 |
| ☆ 1 Tess. 2:9-20 | ☆ 1 Kor. 10:23-33 | ☆ 2 Kor. 6:14-18 | ☆ Rom. 7:14-25 |
| ☆ 1 Tess. 3:1-13 | ☆ 1 Kor. 11:1-16 | ☆ 2 Kor. 7:1-7 | ☆ Rom. 8:1-8 |
| ☆ 1 Tess. 4:1-12 | ☆ 1 Kor. 11:17-34 | ☆ 2 Kor. 7:8-16 | ☆ Rom. 8:9-17 |
| ☆ 1 Tess. 4:13-18 | ☆ 1 Kor. 12:1-11 | ☆ 2 Kor. 8:1-15 | ☆ Rom. 8:18-25 |
| ☆ 1 Tess 5:1-11 | ☆ 1 Kor. 12:12-26 | ☆ 2 Kor. 8:16-24 | ☆ Rom. 8:26-30 |
| ☆ 1 Tess. 5:12-28 | ☆ 1 Kor. 12:27-31 | ☆ 2 Kor. 9:1-6 | ☆ Rom. 8:31-39 |
| ☆ 2 Tess. 1:1-12 | ☆ 1 Kor. 13:1-3 | ☆ 2 Kor. 9:7-15 | ☆ Rom. 9:1-9 |
| ☆ 2 Tess. 2:1-12 | ☆ 1 Kor. 13:4-8 | ☆ 2 Kor. 10:1-11 | ☆ Rom. 9:10-21 |
| ☆ 2 Tess. 2:13-17 | ☆ 1 Kor. 13:9-13 | ☆ 2 Kor. 10:12-18 | ☆ Rom. 9:22-29 |
| ☆ 2 Tess. 3:1-18 | ☆ 1 Kor. 14:1-12 | ☆ 2 Kor. 11:1-6 | ☆ Rom. 9:30-33 |
| ☆ 1 Kor. 1:1-9 | ☆ 1 Kor. 14:13-19 | ☆ 2 Kor. 11:7-15 | ☆ Rom. 10:1-12 |



BREVEN I NT – sida 2

Nya testamentet består av brev som de första ledarna i kyrkan skrev till de första församlingarna. De undervisade om evangeliets principer och hur man ska efterleva dem. Det finns mycket lärdom att hämta i breven även i dag! Här kan du läsa igenom några av breven och vi har utgått ifrån den följd som man tror breven skrevs, så att du får läsa breven kronologiskt.

- | | | | |
|-----------------|------------------|------------------|------------------|
| ☆ Rom. 10:13-21 | ☆ Ef. 1:1-14 | ☆ 1 Pet. 3:8-22 | ☆ Hebr. 6 |
| ☆ Rom. 11:1-10 | ☆ Ef. 1:15-19-23 | ☆ 1 Pet. 4 | ☆ Hebr. 7 |
| ☆ Rom. 11:11-15 | ☆ Ef. 2:1-10 | ☆ 1 Pet. 5 | ☆ Hebr. 8 |
| ☆ Rom. 11:16-24 | ☆ Ef. 2:11-22 | ☆ 1 Tim. 1:1-11 | ☆ Hebr. 9 |
| ☆ Rom. 11:25-32 | ☆ Ef. 3:1-12 | ☆ 1 Tim. 1:12-17 | ☆ Hebr. 10:1-18 |
| ☆ Rom. 11:33-36 | ☆ Ef. 3:13-21 | ☆ 1 Tim. 1:18-20 | ☆ Hebr. 10:19-39 |
| ☆ Rom. 12:1-8 | ☆ Ef. 4:1-16 | ☆ 1 Tim. 2:1-7 | ☆ Hebr. 11:1-16 |
| ☆ Rom. 12:9-21 | ☆ Ef. 4:17-24 | ☆ 1 Tim. 2:8-15 | ☆ Hebr. 11:17-40 |
| ☆ Rom. 13:1-7 | ☆ Ef. 4:25-32 | ☆ 1 Tim. 3:1-7 | ☆ Hebr. 12:1-11 |
| ☆ Rom. 13:8-14 | ☆ Ef. 5:1-7 | ☆ 1 Tim. 3:8-13 | ☆ Hebr. 12:12-29 |
| ☆ Rom. 14:1-12 | ☆ Ef. 5:8-20 | ☆ 1 Tim. 3:14-16 | ☆ Hebr. 13 |
| ☆ Rom. 14:13-23 | ☆ Ef. 5:21-33 | ☆ 1 Tim. 4:1-11 | ☆ 2 Tim. 1:1-18 |
| ☆ Rom. 15:1-13 | ☆ Ef. 6:1-9 | ☆ 1 Tim. 4:12-16 | ☆ 2 Tim. 2:1-15 |
| ☆ Rom. 15:14-21 | ☆ Ef. 6:10-24 | ☆ 1 Tim. 5:1-16 | ☆ 2 Tim. 2:16-26 |
| ☆ Rom. 15:22-33 | ☆ Kol. 1:1-12 | ☆ 1 Tim. 5:17-25 | ☆ 2 Tim. 3:1-17 |
| ☆ Rom. 16:1-16 | ☆ Kol. 1:13-23 | ☆ 1 Tim. 6:1-12 | ☆ 2 Tim. 4:1-8 |
| ☆ Rom. 16:17-24 | ☆ Kol. 1:24-29 | ☆ 1 Tim. 6:13-21 | ☆ 2 Tim. 4:9-22 |
| ☆ Rom. 16:25-27 | ☆ Kol. 2:1-7 | ☆ Tit. 1:1-16 | ☆ 1 Joh. 1 |
| ☆ Fil. 1:1-11 | ☆ Kol. 2:8-15 | ☆ Tit. 2:1-10 | ☆ 1 Joh. 2 |
| ☆ Fil. 1:12-20 | ☆ Kol. 2:16-23 | ☆ Tit. 2:11-15 | ☆ 1 Joh. 3 |
| ☆ Fil. 1:21-26 | ☆ Kol. 3:1-11 | ☆ Tit. 3:1-15 | ☆ 1 Joh. 4 |
| ☆ Fil. 1:27-30 | ☆ Kol. 3:12-17 | ☆ 2 Pet. 1 | ☆ 1 Joh. 5 |
| ☆ Fil. 2:1-11 | ☆ Kol. 3:18-25 | ☆ 2 Pet. 2 | ☆ 2 Joh. 1 |
| ☆ Fil. 2:12-18 | ☆ Kol. 4:1-6 | ☆ 2 Pet. 3 | ☆ 3 Joh. 1 |
| ☆ Fil. 2:19-30 | ☆ Kol. 4:7-18 | ☆ Jud. 1 | |
| ☆ Fil. 3:1-11 | ☆ File. 1:1-7 | ☆ Hebr. 1 | |
| ☆ Fil. 3:12-16 | ☆ File. 1:8-25 | ☆ Hebr. 2 | |
| ☆ Fil. 3:17-21 | ☆ 1 Pet. 1 | ☆ Hebr. 3 | |
| ☆ Fil. 4:1-9 | ☆ 1 Pet. 2 | ☆ Hebr. 4 | |
| ☆ Fil. 4:10-23 | ☆ 1 Pet. 3:1-7 | ☆ Hebr. 5 | |